TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

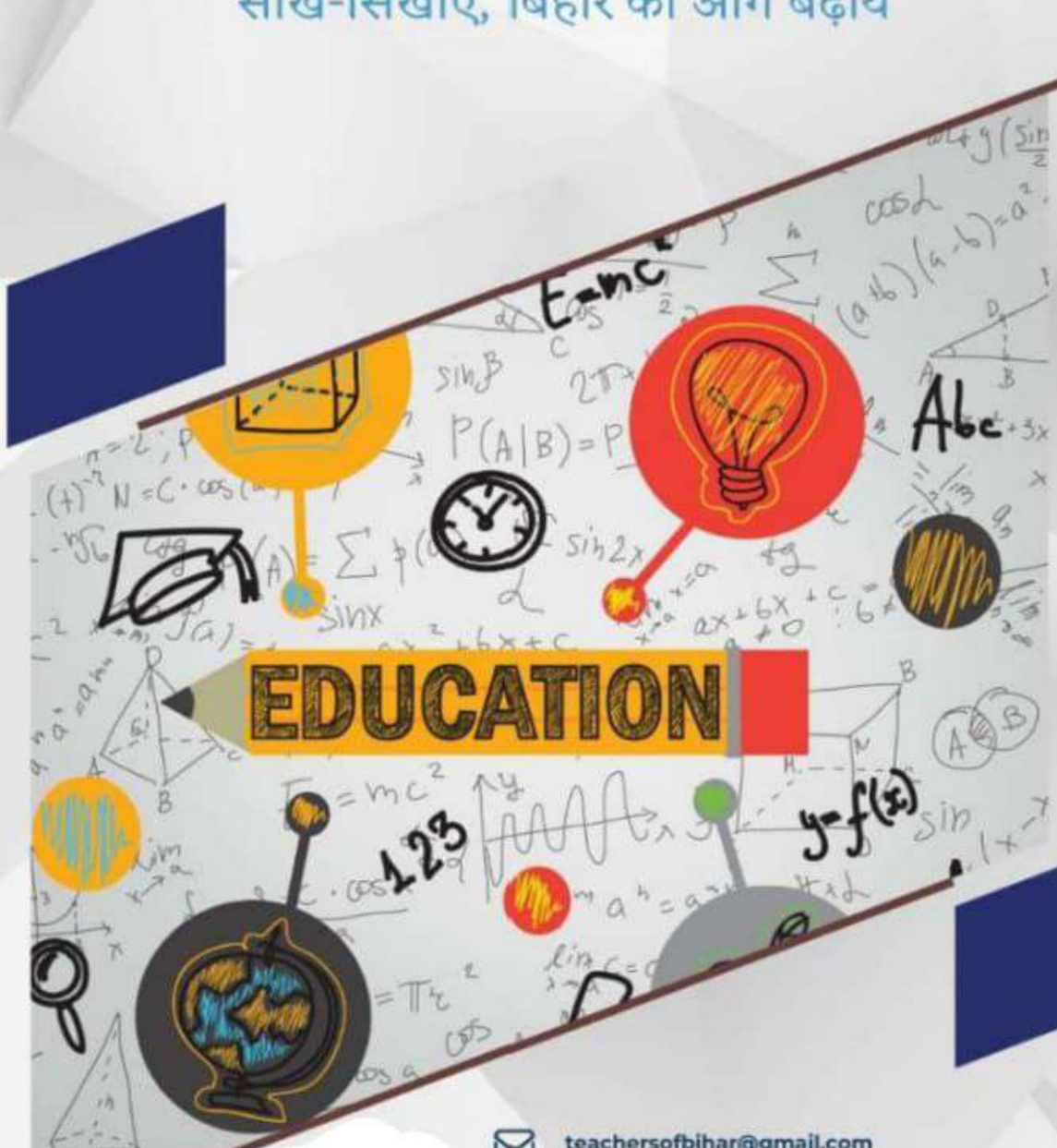

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जन्मदिन विशेष

13 मई 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

ज्ञान का उद्देश्य केवल जानकारी नहीं

बल्कि जीवन में परिवर्तन लाना है।

श्री श्री रवि शंकर जी

(आध्यात्मिक गुरु)

जन्म : 13 मई 1956

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

13 मई

मधु प्रिया

रोनाल्ड रॉस का जन्म 13 मई

रोनाल्ड रॉस का जन्म **13** मई, **1857** में भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमांऊँ क्षेत्र के अल्मोड़ा जिले के एक गाँव में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम **(1857)** के दौरान कई अंग्रेजी शासक मैदानी इलाकों से जान बचाने के लिये कुमांऊँ की पहाड़ियों की ओर चले गये थे। इसी कालचक्र के बीच रोनाल्ड रॉस के पिता सर कैम्पबैल क्लेब्रान्ट रॉस अपनी पत्नी मलिदा चारलोटे एल्डरटन के साथ अल्मोड़ा पहुँच गये थे, इस प्रवास के बीच उनकी पत्नी मलिदा चारलोटे एल्डरटन ने यहाँ पर एक शिशु को जन्म दिया जिसका नाम रोनाल्ड रॉस पड़ा।रोनाल्ड रॉस एक ब्रिटिश नोबेल पुरस्कार विजेता थे। उनका जन्म भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमांऊँ के अल्मोड़ा जिले के एक गाँव में हुआ था। उन्हें चिकित्सा तथा मलेरिया के परजीवी प्लास्मोडियम के जीवन चक्र के अन्वेषण के लिये सन् **1902** में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

रोनाल्ड रॉस ने मच्छरों के जठरांत्र सम्बन्धी क्षेत्र में मलेरिया परजीवी, उनकी खोज तथा मलेरिया मच्छरों द्वारा प्रेषित अन्वेषण किया।और मलेरिया रोग का मुकाबला करने के लिए नींव रखी। पच्चीस साल तक भारतीय चिकित्सा सेवा के दोरान अपनी कर्तव्यपरायणता का बखूबी निर्वहन के पश्चात सेवा से त्यागपत्र दे दिया था। इसके बाद इंगलैंड के ट्रॉपिकल मेडिसिन के लिवरपूल स्कूल के संकाय में शामिल हुए और दस साल तक उन्होंने संस्थान के ट्रॉपिकल मेडिसिन के प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन किया। सन् **1926** में उनके योगदान तथा उपलब्धियों के सम्मान में रॉस संस्थान और अस्पताल स्थापित किया गया था, जो उष्णकटिबंधीय रोगों के निदान का अस्पताल तथा संस्थान के रूप में स्थापित हुआ था। **16** सितम्बर, **1932** को डा० रोनाल्ड रॉस यहीं पर अपनी अन्तिम साँस लेने के पश्चात दुनियाँ को जीवन-रक्षक औषधि प्रदान कर हमेशा के लिए विदा हो गये थे।

IPL इतिहास के सबसे लंबे ओवर

बॉल	खिलाड़ी	खिलाफ	साल	ओवर
11	जोफ्रा आर्चर	गुजरात	2026	पहला
11	अर्शदीप सिंह	गुजरात	2026	20वां
11	हार्दिक पंड्या	गुजरात	2025	आठवां
11	संदीप शर्मा	दिल्ली	2025	20वां
11	शार्दूल ठाकुर	कोलकाता	2025	13वां
11	तुषार देशपांडे	लखनऊ	2023	चौथा
11	मोहम्मद सिराज	मुंबई	2023	19वां

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **13.05.2026**

क्रियात्मक शिक्षण

क्रियात्मक शिक्षण विधि वह शिक्षण विधि है जिसमें विद्यार्थी स्वयं कार्य करके, प्रयोग करके और गतिविधियों में भाग लेकर सीखते हैं। इस विधि में "करते हुए सीखना" **(Learning by Doing)** पर विशेष जोर दिया जाता है। इसमें शिक्षक केवल मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है और छात्र सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

हार्दिक पंड्या ने अपने इंस्टाग्राम से मुंबई इंडियंस की सभी पोस्ट्स डिलीट कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वो अगले सीजन से मुंबई इंडियंस के लिए नहीं खेलेंगे।

छोटा जीव, बड़ा योगदान

राष्ट्रीय मेंढक कूद दिवस

13 मई

"मेंढक प्रकृति के सच्चे मित्र हैं, जो पर्यावरण को स्वस्थ और संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

आइए, मेंढकों की रक्षा करें, प्रकृति का संतुलन बनाए रखें!

मेंढक बचाओ
पर्यावरण बचाओ

मेंढक हमारे लिए क्यों जरूरी हैं?

Madhu Priya

- हानिकारक कीड़ों को खाते हैं।
- पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखते हैं।
- जल और भूमि को स्वस्थ रखने में सहायक हैं।
- जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण हैं।

www.teachersofbihar.org

आओ मिलकर संकल्प लें –
**मेंढकों की रक्षा करें,
प्रकृति को सुरक्षित करें!**

जल बचाएं • जंगल बचाएं • जीव-जंतु बचाएं • भविष्य बचाएं

सादगी, सेवा, समर्पण और सुशासन के प्रतीक

हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

सुशील कुमार मोदी

(14 जनवरी 1952 – 13 मई 2024)

पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि

आपने अपने कर्म, ईमानदारी, निष्ठा और जनसेवा से
जनता के दिलों में जो स्थान बनाया,
वह सदैव स्मरणीय रहेगा।

www.teachersofbihar.org

आपकी स्मृतियाँ हमेशा हमारे साथ रहेंगी!

Madhu Priya

“ कहानियाँ केवल मनोरंजन के लिए नहीं होतीं,
वे जीवन को समझने का एक तरीका होती हैं ”

– आर. के. नारायण

प्रख्यात साहित्यकार

आर. के. नारायण

की पुण्यतिथि पर

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सरल भाषा, गहरी संवेदनशीलता और
मनुष्य के साधारण जीवन की असाधारण
कहानियों के स्रष्टा, आर. के. नारायण जी
का साहित्य सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

10 अक्टूबर 1906 – 13 मई 2001

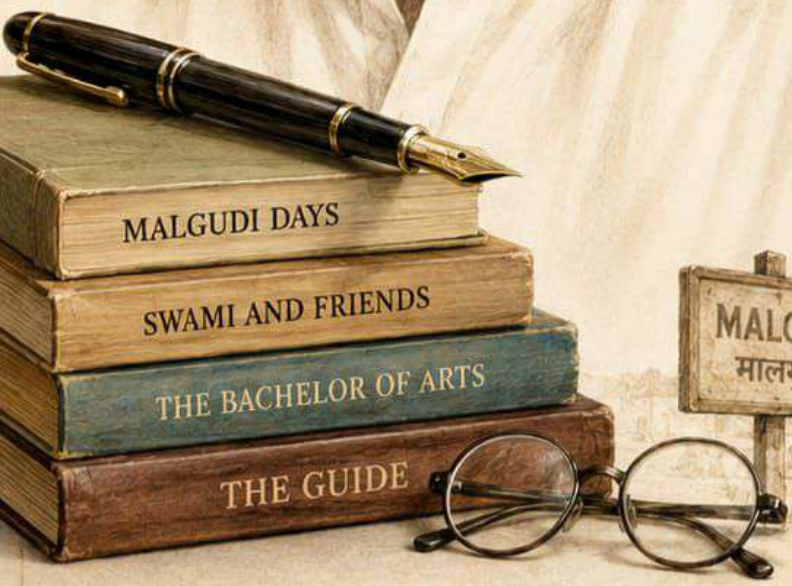

www.teachersofbihar.org

उनकी कालजयी रचनाएँ भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं।
आइए, उनके साहित्य को पढ़ें, समझें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ।

विनम्र श्रद्धांजलि!

Madhu Priya

भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम की महान साधिका,
नृत्य को भक्ति, भाव और सौंदर्य की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने वाली
अद्वितीय कला पुरोधा

तंजोर बालसरस्वती

(बालांबाल)

की जयंती पर

शत्-शत् नमन!

"नृत्य मेरे लिए केवल कला नहीं,
यह ईश्वर की उपासना है,
यह आत्मा की अभिव्यक्ति है।"

www.teachersofbihar.org

13 मई 1918 – 9 फ़रवरी 1984

जिन्होंने भरतनाट्यम को मंदिरों की परंपरा से बाहर लाकर
विश्व मंच पर सम्मान और पहचान दिलायीं।

**तंजौर बालसरस्वती जी को उनकी जयंती पर
कोटि-कोटि प्रणाम!** Madhu Priya

शांत मन, हिंसामुक्त समाज
और तनावमुक्त विश्व का संदेश देने वाले

परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी

की जयंती पर

हार्दिक शुभकामनाएँ!

"जब सांस गहरी होती है, तब मन शांत होता है;
जब मन शांत होता है, तब बुद्धि प्रखर होती है;
जब बुद्धि प्रखर होती है, तब जीवन सार्थक होता है।"

– श्री श्री रविशंकर

13 मई 1956

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक, मानवता के सच्चे मार्गदर्शक,
अनेक हृदयों में आशा, शांति और प्रेम का दीप जलाने वाले

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी को

उनकी जयंती पर कोटि-कोटि प्रणाम!

www.teachersofbihar.ort

Madhu Priya

सादगी, ईमानदारी और
संविधान के प्रति निष्ठा के प्रतीक

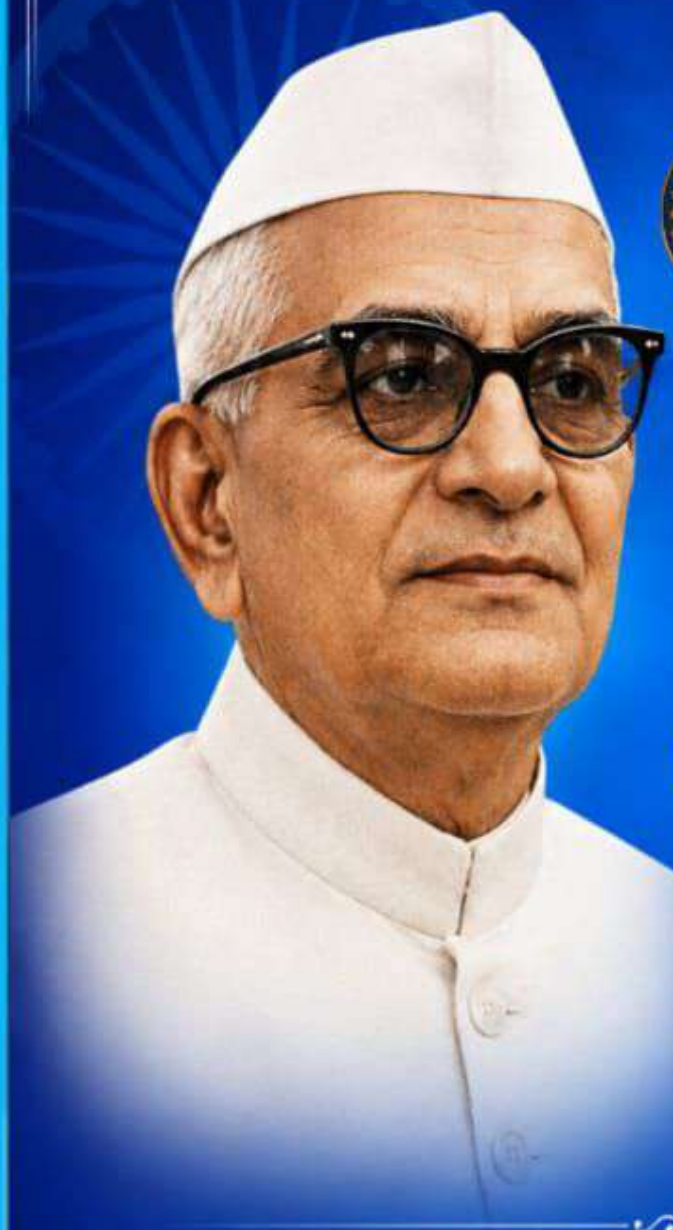

13 मई

भारत के पूर्व राष्ट्रपति

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद

की जयंती पर

शत्-शत् नमन

वे भारत के
5वें राष्ट्रपति
(1974-1977) रहे।

उन्होंने संविधान और
लोकतांत्रिक मूल्यों की
गरिमा को सदा बनाए रखा।

सरल जीवन, उच्च विचार और
राष्ट्रहित सर्वोपरि
उनके जीवन की पहचान थी।

आइए, उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर
राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

मच्छरों से फैलने वाली घातक बीमारी मलेरिया की खोज करने वाले, नोबल पुरस्कार विजेता

डॉ. रोनाल्ड रॉस

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 13 मई 1857- मृत्यु - 16 सितंबर 1932

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

UMS दूधहन, रघुनाथपूर, सीवान

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर, बोचहा, मुजफ्फरपुर

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय विष्णुचक, समेली, कटिहार

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय भनरा, चांदन, बाँका

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR